आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 08.04.2025 समय : 1905

<><><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा –पिछले 10 वर्षों में मुद्रा योजना ने कई सपनों को हकीकत में बदल दिया है।
- द्वीपसमूह में मुद्रा योजना से तीन हजार से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं।
- महिला और बाल विकास मंत्रालय आज से पोषण पखवाड़ा का सातवां संस्करण मना रहा है।
- द्वीपसमूह के बोट स्नोरक्लिंग गतिविधियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के लाभार्थियों को बधाई दी, जिनके जीवन में इस योजना से क्रांतिकारी बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मुद्रा योजना ने कई सपनों को हकीकत में बदल दिया है। जिसने कारण पहले उपेक्षित रहे व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्राप्त हुई और उन्हें सफल होने का अवसर मिला।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तत्वावधान में, आठ अप्रैल दो हजार पन्द्रह से देश में लाभार्थी क्षेत्रों के स्पेक्ट्रम को लक्षित करते हुए उत्पाद और योजनाएँ बनाई गई। इन कार्यक्रमों को 'शिशु', 'किशोर', 'तरुण' और 'तरुण प्लस' नाम दिया गया है। आकाशवाणी समाचार के साथ बातचीत में यू टी एल बी सी के महाप्रबंधक उमर फारूख ने योजना के तहत मिलने वाली लाभ के बारे में जानकारी प्रदान की।

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में 2023–24 के दौरान 126.49 करोड़ रुपये के 3131 मुद्रा ऋण स्वीकृत किए गए। 3011 लाभार्थियों को 142.51 करोड़ रुपये दिए गए। इनमें से शिशु श्रेणी के 358 लाभार्थियों को 1.08 करोड़ रुपये, किशोर श्रेणी के 1513 लाभार्थियों को 44.61 करोड़ रुपये, तरुण श्रेणी के 1138 लाभार्थियों को 96.47 करोड़ रुपये और तरुण प्लस श्रेणी के 2 लाभार्थियों को 0.35 करोड़ रुपये दिए गए।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार हज समिति के नामांकन का प्रस्ताव किया गया है। प्रशासन की ओर से समिति में सदस्यों के चुनाव के लिए नामांकन आमंत्रित किए जा रहे हैं। नामांकन के लिए आवेदन जमा करने की तिथि अगले तीस दिनों के लिए बढ़ा दी गई है। समिति में कार्यकारी अधिकारी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहेंगे। समिति में कुल सदस्यों की अधिकतम संख्या सात होगी। कार्यकारी अधिकारी के अलावा समिति में स्थानीय निकायों से एक मुस्लिम सदस्य, इस्लाम धर्म और कानून की विशेषज्ञता रखने वाले एक मुस्लिम सदस्य और लोक प्रशासन, वित्त, शिक्षा, सामाजिक कार्य और सांस्कृतिक क्षेत्र में कार्य करने वाले स्वयं सेवा संगठनों से एक मुस्लिम सदस्य को चुना जाएगा। सदस्यों के चुनाव के लिए प्राप्त नामों पर प्रशासन द्वारा बनाई जाने वाली जांच समिति विचार करेगी। इच्छुक उम्मीदवार जो स्थाई रूप से द्वीपसमूह के निवासी है, वे सहायक सचिव, राजस्व के पास दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रपत्र को भरकर आवेदन भेज सकते हैं। समिति का कार्यकाल तीन वर्ष का रहेगा।

<><><><><><><><>

महिला और बाल विकास मंत्रालय आज से पोषण पखवाड़ा का सातवां संस्करण मना रहा है, जो देशभर में कुपोषण से निपटने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराता है। इस वर्ष के पोषण पखवाड़ा का फोकस चार मुख्य विषयों पर है – जीवन के पहले 1000 दिनों के दौरान देखभाल, पोषण ट्रैकर के लाभार्थी मॉड्यूल का प्रचार–प्रसार, कुपोषण का प्रभावी प्रबंधन, और बच्चों में मोटापे को दूर करने के लिए स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। पोषण अभियान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, किशोरी लड़कियों और छह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए पोषण संबंधी परिणामों को सुधारना है। इसके आरंभ से अब तक पोषण पखवाड़े के छह सफल संस्करण आयोजित किए गए हैं, जिससे राष्ट्रीय पोषण मिशन में जागरूकता और समुदाय की भागीदारी बढ़ी है। अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में भी समाज कल्याण विभाग द्वारा योजना पोषण 2.0 के अंतर्गत पोषण पखवाड़ा के सातवें संस्करण की शुरूआत की गई। वरिष्ठ परामर्शदाता सारिक वर्मा ने पोषण पखवाड़ा के बारे में जानकारी दी।

<><><><><><><><>

डिगलीपुर के आई सी डी एस परियोजना–ग्रामीण की ओर से पोषण पखवाड़ा के अवसर पर रैली का आयोजन किया गया। रैली को मुख्य अतिथि क्षेत्र के सहायक आयुक्त कमलेश्वर राव एस ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए सी डी पी ओ इंदिरा देवी ने उपस्थिति को संबोधित किया और गर्भधारण से पहले 1,000 दिनों के दौरान पोषण को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया। मुख्य अतिथि ने कहा

कि यह पोषण, एक मां, एक बच्चा और एक समय में एक भोजन को बदलने का आंदोलन है। कार्यक्रम में बीडीओ और पंचायत समिति उप–प्रमुख ने भी पोषण पखवाड़ा पर अपने विचार व्यक्त किए।

<><><><><><><>

गोवा के राष्ट्रीय जलक्रीड़ा संस्थान के समन्वय और परामर्श से द्वीपसमूह के लिए बोट स्नोरक्लिंग गतिविधियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की गई है। सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय ने कहा है कि मसौदा एस ओ पी में प्रमुख सुरक्षा प्रक्रिया, आवश्यक उपकरण और जोखिम की पहचान और यात्रा पूर्व जानकारी की रूपरेखा दी गई है। मानक संचालन प्रक्रिया को आम जनता और पर्यटक हितधारकों जैसे नौका संचालकों, स्नोरक्लिंग गाईडों, पर्यावरण विशेषज्ञों की प्रतिक्रिया के लिए सार्वजनिक डोमेन में रखा गया है। एस ओ पी विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सभी फीडबैक निदेशालय में तीस अप्रैल तक जमा किए जा सकते हैं।

<><><><><><><>

सैन्य विमान की ओर से सोलह, तेईस और तीस अप्रैल को फायरिंग अभ्यास किया जाएगा। अभ्यास सुबह दस बजे से दोपहर साढ़े बारह बजे तक चलेगी। इस दौरान सभी संबंधित लोगों को अपने वाहन और मवेशियों को फायरिंग रेंज से दूर रखने की सलाह दी गई है।

<><><><><><><>